

## राजस्व विभाग

युद्ध जागीर

दिनांक 17 सितम्बर, 1979

**क्रमांक 1432-ज(I)-79/37699.**—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उस में आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1) तथा 3(1) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल निम्नलिखित अधिकारों को वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर उन के नाम के सामने दी गई फतेल तथा राशि एवं सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहवं प्रदान करते हैं :—

क्रमांक	जिला	जागीर पाने वाले का नाम	गांव व पता	तहसील	फसल/वर्ष जब से जागीर दी गई	वार्षिक राशि
1	2	3	4	5	6	7
1	मिवानी	श्रीमती सामकीर, विधवा श्री स्पोताल	साह वास	दादरी	रवी, 1977।	रुपये 150
2	,,	श्री पत राम, पुत्र श्री नीवत राम	उमरवास	,,	रवी, 1976।	150

**क्रमांक 1429-ज(I)-79/37705.**—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उस में आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अनुपार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री बीरेन्द्र सिंह, पुत्र श्री रमेश सिंह, गांव मानहेह, तहसील व जिला मिवानी, को खरीक, 1976 से 150 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहवं प्रदान करते हैं।

**क्रमांक 1425-ज(II)-79/37709.**—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया जाया है और उस में आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री बनवारी लाल, पुत्र श्री गणेश चन्द्र, गांव भुलाना, तहसील जीन्द, जिला जीन्द, को रवी, 1973 से 150 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहवं प्रदान करते हैं।

दिनांक 19 सितम्बर, 1979

**क्रमांक 1430-ज(I)-79/37951.**—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्रीमती रजका, विधवा श्री लालिया, गांव दुड़वो, तहसील दादरी, जिला मिवानी, को खरीक, 1975 से 150 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहवं प्रदान करते हैं।

दिनांक 21 सितम्बर, 1979

**क्रमांक 1435-ज(I)-79/38330.**—श्री श्री किशन, पुत्र श्री मुखराम, गांव वालरोड, तहसील दादरी, जिला मिवानी, की दिनांक 4 मार्च, 1978 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उस में आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1) तथा 3(1ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री श्री किशन की मुब्लिग 150 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे पंजाब/हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 2943-जे०एन०-(III)-66/8579, दिनांक 16 मई, 1966 तथा अधिसूचना क्रमांक 5041-पार-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970, दवारा मंजूर की गई थी, अब उपकी विधवा श्रीमती शरवती के नाम खरीक, 1978 से 150 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत सहवं प्रदान करते हैं।

रघुनाथ जोशी,  
विशेष कार्य अधिकारी, हरियाणा सरकार,  
राजस्व विभाग।